

प्रेषक,
नीता चौधरी,
प्रमुख सचिव,
उ०प्र०शासन।

सेवा में,
महानिदेशक,
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं
उ०प्र० लखनऊ।

चिकित्सा अनुभाग-1

लखनऊ: दिनांक: 16 मई, 2011

विषय: विभिन्न प्रकार की औषधियों, शल्योपकरणों तथा अन्य उपकरणों एवं साज सज्जा तथा कीटनाशकों/विसंक्रमकों आदि की क्रय-नीति वर्ष 2011

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के नियन्त्रणाधीन विभिन्न श्रेणी की चिकित्सा इकाइयों में उपयोग हेतु औषधियों, उपकरणों, साज-सज्जा तथा कीटनाशकों/विसंक्रमकों आदि के क्रय के लिए प्रचलित नीति तथा एतदसंबंधी समय-समय पर पूर्व में निर्गत शासनादेशों में कतिपय संशोधन अपरिहार्य एवं आवश्यक हो गये हैं। इसके दृष्टिगत एतदसंबंधी क्रय-नीति एवं शासनादेशों को निम्नवत् संशोधित किया जाता है:-

1. औषधि :-

औषधि क्रय के संबंध में प्रचलित व्यवस्था के स्थान पर निम्न व्यवस्था प्रतिस्थापित की जाती है :-

क्र.	बिन्दु	पूर्व व्यवस्था	प्रतिस्थापित व्यवस्था
1	जी०एम०पी० / जी०एल०पी० प्रमाण पत्र / डब्ल्यू०एच० ओ०जी०एम०पी० प्रमाण -पत्र	आपूर्तिकर्ता फर्म के पास आवेदन करते समय जी०एम०पी० प्रमाणपत्र औषधि निर्माण का लाइसेन्स एवं विगत 03 वर्षों में निर्माण एवं आपूर्ति का अनुभव होना आवश्यक है।	आपूर्तिकर्ता फर्म के पास आवेदन करते समय जी०एम०पी० / जी०एल०पी० प्रमाणपत्र / डब्ल्यू०एच० ओ० जी०एम०पी० प्रमाण-पत्र औषधि निर्माण का लाइसेन्स एवं विगत 03 वर्षों में निर्माण एवं आपूर्ति का अनुभव होना आवश्यक है।
2	उत्पादन एवं विक्रय का अनुभव प्रमाण पत्र	पिछले 02 वर्षों में आपूर्तिकर्ता फर्म द्वारा औषधि के उत्पादन एवं विक्रय का अनुभव प्रमाण पत्र होना आवश्यक है।	पिछले 03 वर्षों में आपूर्तिकर्ता फर्म द्वारा औषधि के उत्पादन एवं विक्रय का अनुभव प्रमाण पत्र होना आवश्यक है, जो उस राज्य की जहाँ फर्म स्थित है, के ड्रग कंट्रोलिंग अथारिटी से प्रमाणित हो।
3	कुल टर्न-ओवर	आपूर्तिकर्ता फर्म का पिछले 05 वर्षों में कम से कम 02 वर्ष में कुल टर्न ओवर कम से कम रुपये 1.00 करोड़ हो।	प्रदेश के बाहर की आपूर्तिकर्ता फर्म के लिए विगत 03 वर्षों में प्रत्येक वर्ष में कुल टर्नओवर कम-से-कम रुपये 100 करोड़ तथा प्रदेश की आपूर्तिकर्ता फर्म के लिए विगत 03 वर्षों में प्रत्येक वर्ष में कुल टर्नओवर कम-से-कम रुपये 25 करोड़ हो।

Cy

